CENTRAL LIBRARY

पंजाब केसरी

गांवों में मिलेंगी सस्ती वायरलैस सेवाएं

वायरलैस तकनीक पर साथ मिलकर काम करेंगे भारत व यू.के.

मंडी, 8 मार्च (पुरुषोत्तम): भारत और यू.के. का संयुक्त अनुसंधान सिरे चढ़ा तो ग्रामीण क्षेत्रों में सस्ती वायरलैस नैटवर्क सेवाएं मिल सकेंगी। इन सेवाओं का लाभ कृषि, शिक्षा और आपात सेवाओं में मिलेगा।

आई.आई.टी. मंडी में शुरू हुई 2 दिवसीय भारत-यू.के. एडवांस्ड टैक्नोलॉजी सैंटर (आई.यू.-ए.टी.सी.) अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लेने आए प्रोफैसर अशोक झुनझुनवाला ने शुक्रवार को यह खुलासा किया।

मंडी : प्रैस वार्ता को संबोधित करते यू.के. के प्रो. जेरार्ड पेर, मद्रास आई.आई.टी. के प्रोफैसर अशोक झुनझुनवाला व आई.आई.टी. मंडी के निदेशक टी.ए. गोंजालविस। (संजू)

उत्कृष्ट नैटवर्क सेवाएं देने पर मंथन

संयुक्त पत्रकार वार्ता में ब्रिटेन यूनिवर्सिटी ऑफ अलस्टर के प्रोफैसर जेरार्ड पेर व आई.आई.टी. मद्रास के प्रोफैसर अशोक झुनझुनवाला ने कहा कि कार्यशाला में आने वाली पीढ़ी के लिए उत्कृष्ट नैटवर्क सेवाएं कैसे प्रदान की जाएं, इस बिंदु पर मंथन किया जा रहा है।

कार्यशाला में भारत व यू.के. की 12 यूनिवर्सिटीज व आई.आई.टी. संस्थानों के 80 विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं जो दोनों देशों के बीच संचार तकनीकों के आदान-प्रदान पर चर्चा करेंगे। डा. झुनझुनवाला ने कहा कि इस प्रोजैक्ट का उद्देश्य वायरलैस तकनीकों का विकास करना है जो इस समय भारत की अहम आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि दोनों देश साथ मिलकर कम से कम लागत पर वायरलैस नैटवर्क सेवाएं ग्रामीण क्षेत्रों को देने के लिए काम करेंगे। आई.यू.-ए.टी.सी. कुछ महत्वपूर्ण सामाजिक प्रोजैक्टों पर भी कार्य कर रहा है। इनमें ई-कृषि प्रौजेक्ट, ई-स्वास्थ्य प्रोजैक्ट व ई-शिक्षा प्रोजैक्ट शामिल हैं। भारत और यू.के. के सहयोगात्मक अनुसंधान का फायदा क्षेत्र में देने जा रहा है।

200 शोधकर्त्ता जुड़े

उन्होंने कहा कि आई.यू.-ए.टी.सी. भारत-ब्रिटेन के मध्य सबसे बड़ा सहयोगात्मक अनुसंधान संघ है जिसमें दोनों देशों के 200 शोधकर्त्ता शामिल हैं। प्रोफैसर जेरार्ड ने कहा कि यह सहयोगात्मक अनुसंधान भारत व यू.के. के मध्य रिसर्च में पुल का काम करेगा जिससे युवाओं को जोड़ने के साथ साइंस व इंजीनियरिंग फील्ड को इस प्रोजैक्ट से जोड़ने में आसानी होगी। इस अवसर पर आई.आई.टी. मंडी के निदेशक टी.ए. गोंजालविस ने कहा कि आई.आई.टी. का कमांद स्थित नवनिर्मित कैंपस पूरी तरह वाई-फाई होगा जिससे छात्रों को बेहतर अध्ययन में मदद मिलेगी।

सेहत-शिक्षा-कृषि क्षेत्र में होगा लाभ

- **ई-कृषि प्रोजैक्ट** : किसानों को विकसित तकनीक व सीधे फोन के माध्यम से एक्सपर्ट से जोड़ेगा। इससे किसान खेतों में किसी बीमारी के फोटो या विवरण बताकर विशेषज्ञों से खेत में ही उपचार की तकनीक प्राप्त कर सकेंगे।

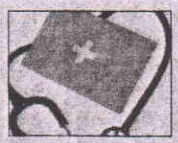

- **ई-स्वास्थ्य प्रोजैक्ट** : मरीज को प्राथमिक उपचार के बाद घर बैठे ही कंप्यूटर के माध्यम से इलाज मिलेगा। प्रारंभिक उपचार के बाद रोगी का आवाज संचार तकनीक के सहारे शेष उपचार होगा।
- **ई-शिक्षा प्रोजैक्ट** : ई-शिक्षा के माध्यम से वाई-फाई के माध्यम के छात्रों की कक्षाएं संचालित की जाएगी।
- **आपात सेवाएं प्रोजैक्ट** : आपातकालीन स्थिति में उच्च तकनीक के माध्यम